झारखण्ड राज्य में कृषि क्षेत्र पर भारी वर्षा का "प्रभाव आधारित पूर्वानुमान"

(25-06-2024 को जारी पूर्वानुमान पर आधारित)

दिनांक	मध्य झारखण्ड (राँची, बोकारो, गुमला, हज़ारीबाग, खूंटी तथा रामगढ)	दक्षिणी झारखण्ड (पूर्वी सिंघभूम, पश्चिमी सिंघभूम, सिमडेगा तथा सरायकेला खरसावाँ)	उत्तर-पश्चिमी झारखण्ड (पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार तथा लोहरदगा)	उत्तर-पूर्वी झारखण्ड (देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामतारा, पाकुर तथा साहेबगंज)
26 जून	राज्य के उत्तर-पूर्वी एवं दक्षिण-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा की संभावना है।			
28 जून	राज्य के उत्तर-पश्चिमी तथा निकटवर्ती मध्य भागों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा की संभावना है।			
29 जून	राज्य उत्तर-पूर्वी तथा निकटवर्ती मध्य भागों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा की संभावना है।			

(*भारी वर्षा वाले जिलों को नीचे मानचित्र में भी दर्शाया गया है।)

26, 28 एवं 29 जून, 2024 को भारी वर्षा कि संभावना है। किसान भाई खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था कर लें तथा इस वर्षा का उपयोग विभिन्न फसलों की बुवाई के लिए करें।

फ़सल	प्रभाव	परामर्श
फल एवं सब्ज़ियों	सब्ज़ियों के नर्सरी में जल जमाव के कारण सब्ज़ियों का सड़न फलों का झड़ना ,फलों पर दाग लगना वर्षा के कारण सब्जियों का सड़ना टमाटर में फल और फूल का झड़ना फलों का चटकना	जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। परिपक्व फल एवं सब्ज़ियों कि तुड़ाई कर लें एवं उन्हें सुरक्षित स्थानों पर रखें। खड़ी फसल में रोग के प्रसार को कम करने के लिए गिरे हुए फलों को हटा दें. किसी भी तरह के छिड़काव के लिए साफ़ मौसम के लिए रुकें।
धान	जल जमाव के कारण धान के बिछड़े का सड़ना।	खेत में जल निकासी की उचित सुविधा बनाए रखें। रोगों के लिए फसल की निगरानी रखें।
दलहनी एवं तिलहनी फसल	बोई गई दलहनी एवं तिलहनी फसलों में जल जमाव से बीजों का सड़ना।	खेतों में जल निकासी की व्यवस्था करें।
पशुपालन	मवेशियों को खुले में ना छोड़ें। मौसम की स्थिति देख कर ही उन्हें बाहर ले जाएँ। मवेशियों के घर को अच्छी तरह ढक दें।	

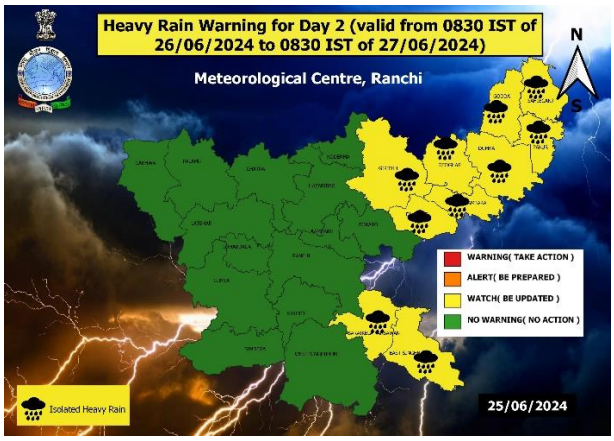

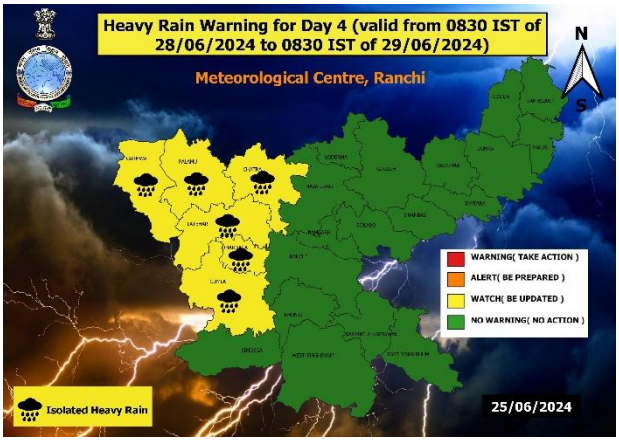

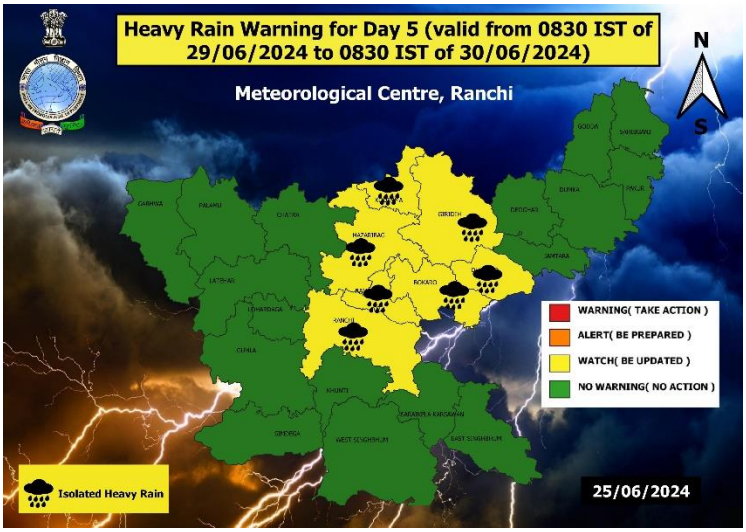

पूर्वानुमान पदाधिकारी
मौसम केंद्र, रांची